

2012/00394



न्यायालय भू-प्रबन्ध अधिकारी एवं पदेन राजस्व अपील प्राधिकारी, कोटा

आज्ञा-पत्र

उनवान... डा. सुरधी प्रसाद रघुनाथ जी ...बनाम... परमानन्द

किस्म मुकदमा... न्याया - 228 ...अकील संख्या... 151/2012

अभिभाषक अपीलान्त... प्रादीश एडवोकेट जनरल ...अभिभाषक रेस्पोंडेन्ट...

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील मे जारी हुए
19.8.25	<p>पत्रावली पेश हुई। अपीलान्त एवं उनके कर्तव्य भाषण को रोक-रोक कर तीन बार आवेजें लगावायी गयी। फिर भी उनही कोर से कोई भी उपस्थित नहीं हुआ। कोर्ट विसर्जित होने तक इंतजार बिना गया। अतः पत्रावली रुफ्त हाजरी एवं अदालत रिकॉर्ड में रजिस्ट्रि की जाती है। पत्रावली फ़ैल शुक्रा सोरा बाद तम्हील तहसील दखिल दफ्तर हो।</p> <p> (दीप्ति रामचन्द्र मीना) भू-प्रबन्ध अधिकारी एवं पदेन राजस्व अपील प्राधिकारी, कोटा</p>	

4/10/2001

13



न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी कम-भू-प्रबंधक अधिकारी
कोटा-बांरा-आलावाड

ठाकुर जी महाराज श्री रघुनाथ जी विराजमान मंदिर श्री
रघुनाथ जी ग्राम अन्ता साहस्रत नाबालिग द्वारा संरक्षक स्वम्
व्यवस्थापक अध्यक्ष ट्रस्ट मंदिर श्री रघुनाथ जी महाराज अन्ता
कार्यालय कुण्डेलवाल धर्मशाला अन्ता तहसील अन्ता जिला बांरा
.. अपीलांत

श्री जगदीश
खडेलवाल एवम्
संस्था की
अनुमान पत्र
साहस्रत के समक्ष
पेश हो।
28-8-2001

- बनाम-

- | | |
|----------------------|---|
| 1. परमानंद | पुत्रगण श्री भंवरलाल जाति वेष्णव निवासी |
| 2. राजू | कन्या स्कूल के पास अन्ता तह. अन्ता जिला - |
| 3. सत्यनारायण | बांरा |
| 4. रामकन्या बाई बेवा | भंवरलाल जाति वेष्णव |
| 5. गीता बाई पत्नी | छोतरलाल वेष्णव |
| 6. छोतरलाल आत्मज | भौलाल वेष्णव |
| 7. जोदूलाल आत्मज | बद्रीलाल वेष्णव |
- निवासीगण अन्ता, जिला बांरा राज. ..रेस्पो.

अपील विरुद्ध आदेश सम्माननीय सहायक कलेक्टर
अन्ता दि. 2. 8. 2001 को अप्रसन्नता से राजस्थान
टोनेन्सी एक्ट की धारा 225 के अन्तर्गत

मान्यवर,

अपीलांत निम्न कारणों से अपील प्रस्तुत करते हैं:-

1. यह कि योग्य अधी. न्यायालय का आदेश विधि, न्याय एवं संघिता में सिद्ध प्राप्त तथ्यों के विपरित होने से - निरस्तनीय है।
2. यह कि योग्य अधी. न्यायालय ने प्रार्थना पत्र अपी. प्रार्थी बाबत अर्थाई निवेधाना को आंशिक रूप से स्वीकार करने में झुटि की है।
3. यह कि योग्य अधी. न्यायालय के समझ पत्रावली पर यह पूरी तौर से साक्ष्य, प्राप्य-पत्र, कमिश्नर रिपोर्ट आदि से -